

---

# Ganeshakrita Shiva Stuti

गणेशकृता शिवस्तुतिः

## Document Information

---

Text title : Ganeshakrita Shiva Stuti

File name : shivastutiHgaNeshakRRitA.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mAheshvarAkhyah prathamAMshaH | adhyAyaH 24 -  
kailAsavarNane gaNeshakRitastutiH | 29-36||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

# Ganeshakrita Shiva Stuti

## गणेशकृता शिवस्तुतिः



गणेशः -

गणेश त्रिगुणातीत भगवन्नाथीशमस्तु ।

गर्जन्मेघगणोद्भूततटिद्गणजटामल ॥ २८ ॥

व्योमकेश भगवन् श्रुतिमौलिस्तोमसामविनुताभिलसोम ।

भूमभौमभुविमागमकाम धूमधामभुल्लघुतिङ्कण ॥ ३० ॥

क्षयद्वीरमारापडाराध शम्भो वीर धीर सुरशेखरपाद ।

घोरान्धकासुरनिर्बलका कालकाल कुरान्तर त्रिपुरगर्वहाराव्ययेश ॥ ३१ ॥

दंडरगुणशेखरोऽसि शम्भो निरवधाभिललोकासौम्य भूमन् ।

त्रिगुणगतिविदूर दर्शिताद्य प्रकटितवेदवयोभिरीज्यपाद ॥ ३२ ॥

करे कुरङ्गं स्वकपर्दगङ्गं हारे भुजङ्गं यमिहृन्सुसङ्गम् ।

आलाङ्गताङ्गं सितभस्मसङ्गमनङ्गमातङ्गहरे भजामि ॥ ३३ ॥

--

स्कन्दः -

धृति स्तौति सदा शम्भुं कैलासेशगणेश्वरः ।

गणनाथो गणवृत्तस्सदाशिवगणग्राणीः ॥ ३४ ॥

तत्पाति गोपुरं शम्भोर्मणिप्राकारमाध्यसौ ।

स्वकीर्यैर्गणैस्सार्धं यन्द्रयूऽस्यशासनात् ॥ ३५ ॥

हरिन्मणिङ्कृतं वरं हरितगोपुरं पश्चिमे

विराजिततलाङ्कुणैर्वृषलवामशङ्काप्रभैः ।

गरुन्मणिवरप्रभं विततरत्नसौधोत्तमं

वरप्रवरसुन्दरप्रकटवप्रकारकम् ॥ ३६ ॥

स्वभाङ्गुलमाश्रितो द्विरदवङ्गजैस्सद्गणैः

प्रपाति (प्रयातीति) गणनाथकश्शिवपदाब्जसंसेवकः ॥ ३७ ॥

॥ एति शिवरडस्थान्तर्गते माडेश्वराण्ये गणेशकृता शिवस्तुतिः ॥

- ॥ श्रीशिवरडस्थम् । माडेश्वराण्यः प्रथमांशः । अध्यायः २४ - डैलासवर्णने गणेशकृतस्तुतिः । २९-३६ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mAheshvarAkhyaH prathamAMshaH . adhyAyaH 24 -  
kailAsavarNane gaNeshakRRitastutiH . 29-36..

Notes:

Skanda स्कन्द narrates eulogy to Śiva शिव by Gaṇeśa गणेश, while describing about Gaṇeśa's residence towards the Western region of Mount Kailāsa डैलास शैल, that has predominance of Emerald - viz. Harinmaṇi हरिन्मणि / Marakatamaṇi मरकतमणि / Garutmatmaṇi गरुत्तमणि.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

—  
*Ganeshakrita Shiva Stuti*

pdf was typeset on December 17, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

